SAMPLE(Year 2025-2026)

Model: Y4

SrNo: 101-101-102-1040 / 6607

Date: 29/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/01/2000	जन्म तिथि	**31-01/01/2025**
शनिवार	दिन	मंगल–बुधवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	05:50:30 घंटे
घटी 31:47:20	जन्म समय(घटी)	56:23:39 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
उत्तर 26:53:00	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
पूर्व 75:50:00	रेखांश	75:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:03	सूर्योदय	07:17:02
17:42:16	सूर्यास्त	17:42:54
23:51:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:23
कर्क	लग्न	वृश्चिक
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	धनु
शुक्र	राशि–स्वामी	गुरु
विशाखा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	**1**
धृति	योग	व्याघात
बव	करण	बालव
ती–तीरथ	जन्म नामाक्षर	भे–भैरवी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मूषक
25	गत / तत्कालिक वर्ष	**26**

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

SAMPLE(Year 2025-2026)

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ
आश्लेषा	1	16:49:08	कर्क			लग्न		
पूर्वाषाढ़ा	1	16:37:19	धनु			सूर्य		
विशाखा	1	20:43:19	तुला			चंद्र		
धनिष्ठा	4	04:11:27	कुंभ			मंग	व	
मूल	3	08:11:54	धनु		अ	बुध		
अश्विनी	1	01:24:15	मेष			गुरु	व	
अनुराधा	2	07:50:19	वृश्चि			शुक्र		
भरणी	1	16:32:25	मेष	व		शनि		
पुष्य	3	11:10:55	कर्क	व		राहु	व	
श्रवण	1	11:10:55	मक	व		केतु	व	
श्रवण	4	20:57:41	मक			मु		

वर्ष – विवरण

राशि	अंश	पद	नक्षत्र
वृश्चि	26:02:49	3	ज्येष्ठा
धनु	16:37:19	1	पूर्वाषाढ़ा
धनु	29:54:03	1	उत्तराषाढ़ा
कर्क	07:42:24	2	पुष्य
वृश्चि	25:40:56	3	ज्येष्ठा
वृष	19:00:28	3	रोहिणी
कुंभ	03:31:16	4	धनिष्ठा
कुंभ	20:19:08	1	पू0भाद्रपद
मीन	07:17:25	2	उ0भाद्रपद
कन्या	07:17:25	4	उ0फाल्गुनी
सिंह	16:49:08	2	पू0फाल्गुनी

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:23

लग्न–चलित

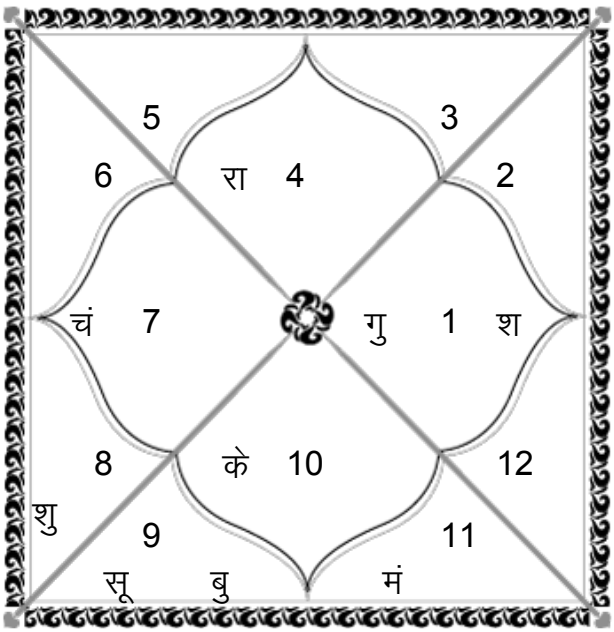

वर्ष लग्न कुंडली

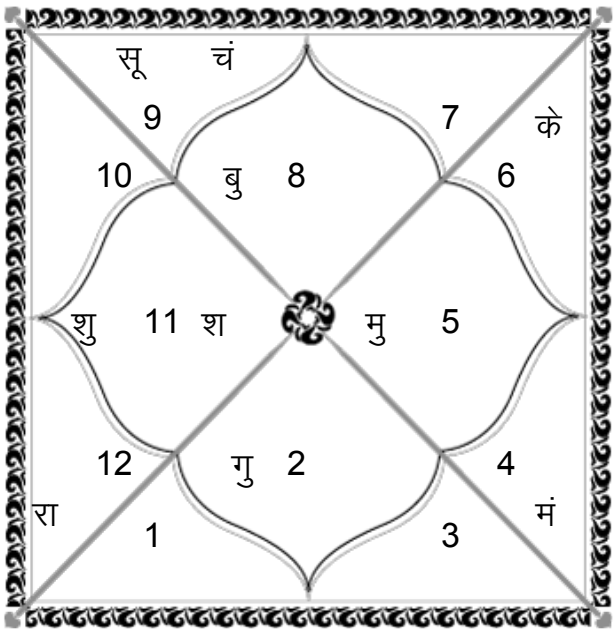

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

SAMPLE(Year 2025-2026)

चन्द्र कुंडली

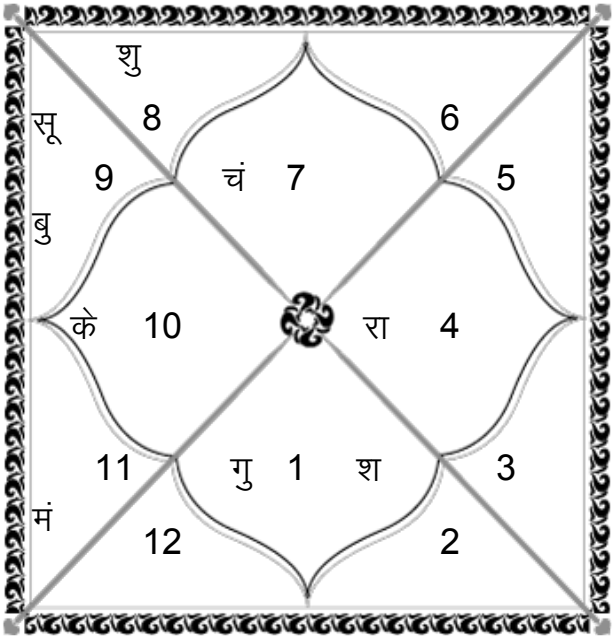

वर्ष चन्द्र कुंडली

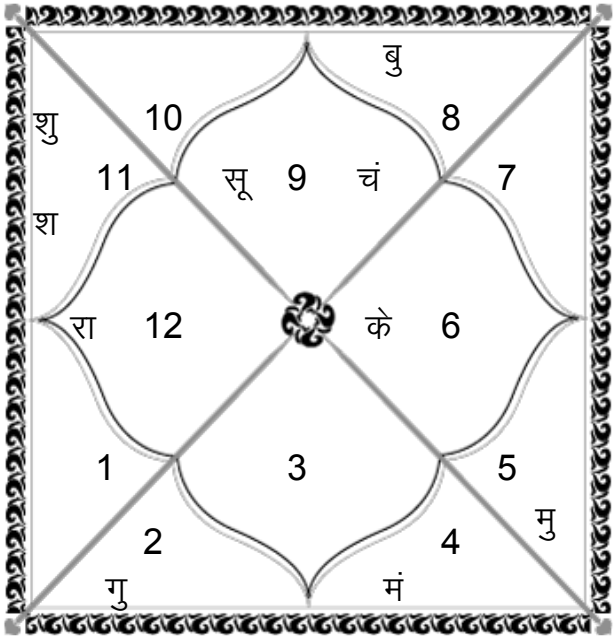

नवमांश कुंडली

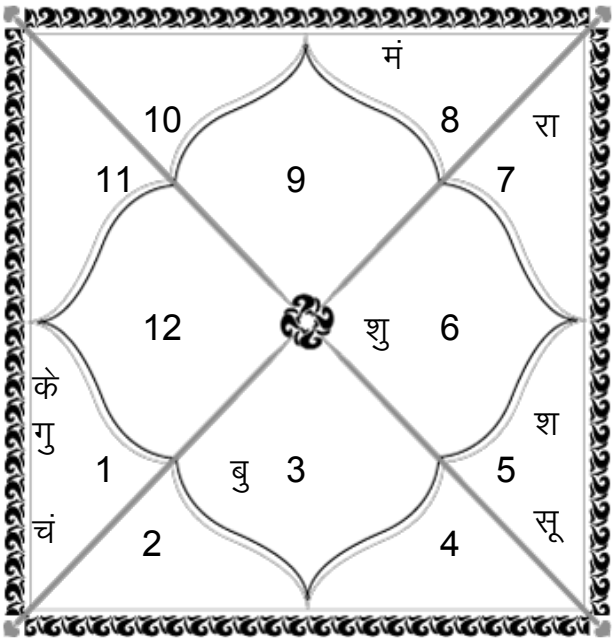

वर्ष नवमांश कुंडली

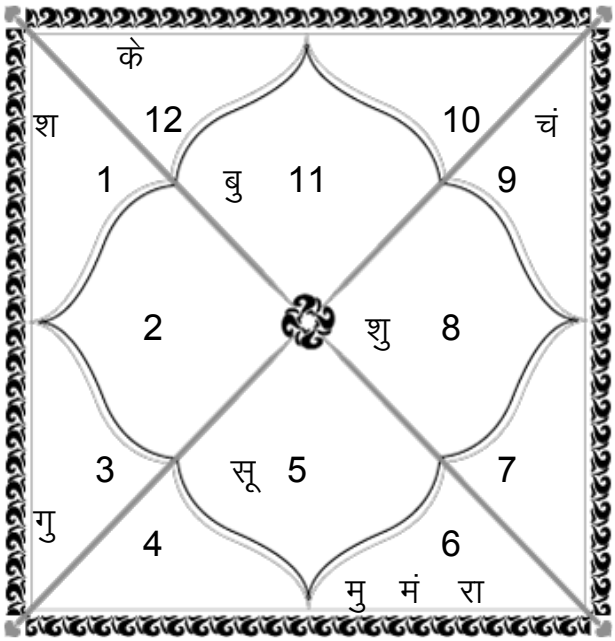

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	————	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र	मित्र
चन्द्र	शत्रु	————	सम	सम	सम	मित्र	मित्र
मंगल	सम	सम	————	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	सम	सम	मित्र	————	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	सम	मित्र	शत्रु	————	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	————	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	————

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृश्चि	धनु	धनु	कर्क	वृश्चि	वृष	कुंभ	कुंभ
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	वृष	कर्क	कुंभ	वृष	वृष	कर्क	तुला	कर्क
चतुर्थांश	सिंह	मिथु	कन्या	तुला	सिंह	वृश्चि	कुंभ	सिंह
पंचमांश	वृश्चि	धनु	तुला	कन्या	वृश्चि	मक	मेष	मिथु
षष्ठांश	मीन	कर्क	कन्या	वृश्चि	मीन	मक	मेष	सिंह
सप्तमांश	वृश्चि	मीन	मिथु	कुंभ	तुला	मीन	कुंभ	मिथु
अष्टमांश	कुंभ	कन्या	धनु	मिथु	कुंभ	मक	सिंह	मक
नवमांश	कुंभ	सिंह	धनु	कन्या	कुंभ	मिथु	वृश्चि	मेष
दशमांश	मीन	वृष	कन्या	वृष	मीन	कर्क	मीन	सिंह
एकादशांश	कर्क	वृष	कन्या	सिंह	कर्क	तुला	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	कन्या	मिथु	वृश्चि	तुला	कन्या	धनु	मीन	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व
होरा	शत्रु	स्व	सम	सम	सम	मित्र	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	सम	स्व	मित्र
चतुर्थांश	सम	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
सप्तमांश	सम	सम	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व
नवमांश	स्व	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
दशमांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
एकादशांश	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	सम	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु
शुभ	3	3	4	3	3	3	8
सम	6	9	8	3	3	3	1
अशुभ	3	0	0	6	6	6	3
कुल	सम	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	5	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	5
तृतीय बल	0	5	0	5	0	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	10	0	15	0	5	10
बल	**अतिक्षीण**	**सामान्य**	**अतिक्षीण**	**बली**	**अतिक्षीण**	**क्षीण**	**सामान्य**

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंग	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	15.00	22.50	7.50	7.50	30.00
उच्च बल	7.40	6.32	2.25	12.15	14.89	14.06	6.63
हददा बल	7.50	11.25	7.50	3.75	15.00	15.00	7.50
द्रेष्काण	2.50	7.50	5.00	2.50	5.00	10.00	7.50
नवमांश	5.00	2.50	3.75	1.25	1.25	2.50	2.50
कुल	37.40	42.57	33.50	42.15	43.64	49.06	54.13
विंशोपक	9.35	10.64	8.38	10.54	10.91	12.26	13.53
बल	**सामान्य**	**शुभ**	**सामान्य**	**शुभ**	**शुभ**	**शुभ**	**शुभ**

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	**ग्रह**	**बल**	**लग्न पर दृष्टि**	**वर्षेश**
जन्म लग्नाधिपति	चंद्र	10.64	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	मंग	8.38	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	सूर्य	9.35	दृष्टि नहीं	**मंगल**
दिवापति	गुरु	10.91	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	12.26	अशुभ	

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृश्चिक	12:46:05	मंगल	11/04/2025
गुरु	मकर	09:19:33	शनि	23/12/2025
ज्ञान	मकर	09:19:33	शनि	23/12/2025
यश	मिथुन	19:48:26	बुध	23/08/2025
मित्र	धनु	06:57:48	गुरु	11/07/2025
माहात्म्य	कर्क	20:59:08	चन्द्र	03/08/2025
आशा	वृश्चिक	09:14:58	मंगल	08/04/2025
समर्थ	धनु	26:02:49	गुरु	30/07/2025
भातृ	मीन	24:44:09	गुरु	11/12/2025
गौरव	सिंह	27:30:54	सूर्य	05/08/2025
राजा	कन्या	22:21:00	बुध	09/08/2025
पितृ	कन्या	22:21:00	बुध	09/08/2025
मातृ	मकर	29:40:02	शनि	15/01/2026
सुत	वृष	15:09:14	शुक्र	27/04/2025
जीव	सिंह	27:21:29	सूर्य	05/08/2025
अम्बु	मकर	29:40:02	शनि	15/01/2026
कर्म	वृष	14:01:20	शुक्र	26/04/2025
रोग	धनु	29:54:03	गुरु	03/08/2025
कामदेव	कर्क	03:51:10	चन्द्र	16/07/2025
कलि	कुम्भ	14:44:46	शनि	15/02/2026
क्षेम	कुम्भ	14:44:46	शनि	15/02/2026
शास्त्र	सिंह	26:59:36	सूर्य	05/08/2025
बन्धु	वृश्चिक	21:49:42	मंगल	19/04/2025
बंधक	वृश्चिक	21:49:42	मंगल	19/04/2025
मृत्यु	सिंह	20:23:38	सूर्य	30/07/2025

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	सिंह	13:19:48	सूर्य	24/07/2025
अर्थ	कर्क	07:00:55	चन्द्र	19/07/2025
परदारा	कुम्भ	12:56:46	शनि	13/02/2026
अन्यकर्म	तुला	05:37:44	शुक्र	24/06/2025
वणिक	मकर	00:15:56	शनि	13/12/2025
कार्यसिद्धि	सिंह	22:42:16	सूर्य	01/08/2025
विवाह	वृश्चिक	09:14:58	मंगल	08/04/2025
प्रसूति	वृष	19:22:21	शुक्र	02/05/2025
संताप	कर्क	20:23:38	चन्द्र	03/08/2025
श्रद्धा	मिथुन	21:51:41	बुध	25/08/2025
प्रीति	मकर	22:36:17	शनि	07/01/2026
बल	मिथुन	19:48:26	बुध	23/08/2025
देह	मिथुन	19:48:26	बुध	23/08/2025
जाडय	वृष	13:04:12	शुक्र	25/04/2025
व्यापार	कर्क	08:04:18	चन्द्र	20/07/2025
जलपतन	वृष	13:04:12	शुक्र	25/04/2025
शत्रु	वृष	13:26:06	शुक्र	25/04/2025
शौर्य	वृष	01:06:30	शुक्र	11/04/2025
उपाय	सिंह	27:21:29	सूर्य	05/08/2025
दरिद्रता	वृश्चिक	12:46:05	मंगल	11/04/2025
गुरुता	मेष	19:25:30	मंगल	12/11/2025
जलपथ	वृष	20:43:41	शुक्र	03/05/2025
बंधन	कन्या	18:29:46	बुध	06/08/2025
कन्या	मकर	29:40:02	शनि	15/01/2026
अश्व	कन्या	00:03:04	बुध	23/07/2025

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

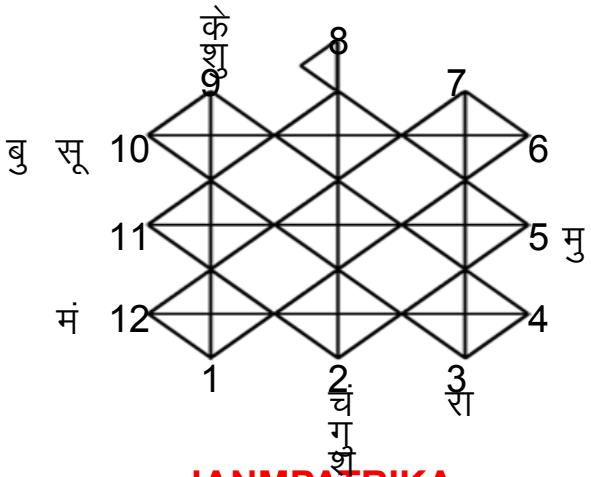

पात्यंश दशा

शुक्र		मंगल		सूर्य		गुरु		शनि	
01/01/2025		**13/02/2025**		**05/04/2025**		**23/07/2025**		**21/08/2025**	
13/02/2025		**05/04/2025**		**23/07/2025**		**21/08/2025**		**06/09/2025**	
शुक्र	06/01/2025	मंग	20/02/2025	सूर्य	07/05/2025	गुरु	25/07/2025	शनि	22/08/2025
मंग	12/01/2025	सूर्य	07/03/2025	गुरु	16/05/2025	शनि	26/07/2025	बुध	25/08/2025
सूर्य	25/01/2025	गुरु	11/03/2025	शनि	21/05/2025	बुध	01/08/2025	लग्न	25/08/2025
गुरु	28/01/2025	शनि	13/03/2025	बुध	09/06/2025	लग्न	01/08/2025	चंद्र	27/08/2025
शनि	30/01/2025	बुध	23/03/2025	लग्न	11/06/2025	चंद्र	05/08/2025	शुक्र	29/08/2025
बुध	07/02/2025	लग्न	23/03/2025	चंद्र	25/06/2025	शुक्र	08/08/2025	मंग	31/08/2025
लग्न	07/02/2025	चंद्र	30/03/2025	शुक्र	08/07/2025	मंग	12/08/2025	सूर्य	05/09/2025
चंद्र	13/02/2025	शुक्र	05/04/2025	मंग	23/07/2025	सूर्य	21/08/2025	गुरु	06/09/2025

बुध		लग्न		चन्द्र		चन्द्र		चन्द्र	
06/09/2025		**10/11/2025**		**15/11/2025**		**15/11/2025**		**15/11/2025**	
10/11/2025		**15/11/2025**		**01/01/2026**		**01/01/2026**		**01/01/2026**	
बुध	18/09/2025	लग्न	11/11/2025	चंद्र	21/11/2025	चंद्र	21/11/2025	चंद्र	21/11/2025
लग्न	18/09/2025	चंद्र	11/11/2025	शुक्र	27/11/2025	शुक्र	27/11/2025	शुक्र	27/11/2025
चंद्र	27/09/2025	शुक्र	12/11/2025	मंग	03/12/2025	मंग	03/12/2025	मंग	03/12/2025
शुक्र	05/10/2025	मंग	12/11/2025	सूर्य	17/12/2025	सूर्य	17/12/2025	सूर्य	17/12/2025
मंग	14/10/2025	सूर्य	14/11/2025	गुरु	21/12/2025	गुरु	21/12/2025	गुरु	21/12/2025
सूर्य	02/11/2025	गुरु	14/11/2025	शनि	23/12/2025	शनि	23/12/2025	शनि	23/12/2025
गुरु	08/11/2025	शनि	14/11/2025	बुध	31/12/2025	बुध	31/12/2025	बुध	31/12/2025
शनि	10/11/2025	बुध	15/11/2025	लग्न	01/01/2026	लग्न	01/01/2026	लग्न	01/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

मुद्दा दशा

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
01/01/2025		**22/01/2025**		**18/03/2025**		**06/05/2025**		**02/07/2025**	
22/01/2025		**18/03/2025**		**06/05/2025**		**02/07/2025**		**23/08/2025**	
मंग	02/01/2025	राहु	30/01/2025	गुरु	24/03/2025	शनि	15/05/2025	बुध	10/07/2025
राहु	05/01/2025	गुरु	07/02/2025	शनि	01/04/2025	बुध	23/05/2025	केतु	13/07/2025
गुरु	08/01/2025	शनि	15/02/2025	बुध	08/04/2025	केतु	26/05/2025	शुक्र	21/07/2025
शनि	11/01/2025	बुध	23/02/2025	केतु	11/04/2025	शुक्र	05/06/2025	सूर्य	24/07/2025
बुध	14/01/2025	केतु	26/02/2025	शुक्र	19/04/2025	सूर्य	08/06/2025	चंद्र	28/07/2025
केतु	16/01/2025	शुक्र	07/03/2025	सूर्य	21/04/2025	चंद्र	13/06/2025	मंग	31/07/2025
शुक्र	19/01/2025	सूर्य	10/03/2025	चंद्र	25/04/2025	मंग	16/06/2025	राहु	08/08/2025
सूर्य	20/01/2025	चंद्र	15/03/2025	मंग	28/04/2025	राहु	25/06/2025	गुरु	15/08/2025
चंद्र	22/01/2025	मंग	18/03/2025	राहु	06/05/2025	गुरु	02/07/2025	शनि	23/08/2025

केतु		शुक्र		सूर्य		चन्द्र		चन्द्र	
23/08/2025		**13/09/2025**		**13/11/2025**		**02/12/2025**		**02/12/2025**	
13/09/2025		**13/11/2025**		**02/12/2025**		**01/01/2026**		**01/01/2026**	
केतु	24/08/2025	शुक्र	24/09/2025	सूर्य	14/11/2025	चंद्र	04/12/2025	चंद्र	04/12/2025
शुक्र	28/08/2025	सूर्य	27/09/2025	चंद्र	16/11/2025	मंग	06/12/2025	मंग	06/12/2025
सूर्य	29/08/2025	चंद्र	02/10/2025	मंग	17/11/2025	राहु	10/12/2025	राहु	10/12/2025
चंद्र	31/08/2025	मंग	05/10/2025	राहु	20/11/2025	गुरु	14/12/2025	गुरु	14/12/2025
मंग	01/09/2025	राहु	14/10/2025	गुरु	22/11/2025	शनि	19/12/2025	शनि	19/12/2025
राहु	04/09/2025	गुरु	22/10/2025	शनि	25/11/2025	बुध	24/12/2025	बुध	24/12/2025
गुरु	07/09/2025	शनि	01/11/2025	बुध	27/11/2025	केतु	25/12/2025	केतु	25/12/2025
शनि	10/09/2025	बुध	10/11/2025	केतु	29/11/2025	शुक्र	30/12/2025	शुक्र	30/12/2025
बुध	13/09/2025	केतु	13/11/2025	शुक्र	02/12/2025	सूर्य	01/01/2026	सूर्य	01/01/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

विंशोत्तरी दशा–सूक्ष्म

शनि–चंद्र–चंद्र		शनि–चंद्र–मंग		शनि–चंद्र–राहु		शनि–चंद्र–गुरु	
22/01/2026 17:25		**11/03/2026 22:02**		**14/04/2026 15:40**		**10/07/2026 09:36**	
11/03/2026 22:02		**14/04/2026 15:40**		**10/07/2026 09:36**		**25/09/2026 12:12**	
चंद्र	26/01/2026 17:48	मंग	13/03/2026 21:16	राहु	27/04/2026 15:58	गुरु	20/07/2026 16:21
मंग	29/01/2026 13:16	राहु	18/03/2026 22:42	गुरु	09/05/2026 05:33	शनि	01/08/2026 21:21
राहु	05/02/2026 18:45	गुरु	23/03/2026 10:40	शनि	22/05/2026 23:11	बुध	12/08/2026 19:31
गुरु	12/02/2026 04:58	शनि	28/03/2026 18:51	बुध	04/06/2026 06:08	केतु	17/08/2026 07:28
शनि	19/02/2026 20:06	बुध	02/04/2026 13:33	केतु	09/06/2026 07:34	शुक्र	30/08/2026 03:54
बुध	26/02/2026 15:58	केतु	04/04/2026 12:47	शुक्र	23/06/2026 18:34	सूर्य	03/09/2026 00:26
केतु	01/03/2026 11:26	शुक्र	10/04/2026 03:43	सूर्य	28/06/2026 02:39	चंद्र	09/09/2026 10:39
शुक्र	09/03/2026 12:12	सूर्य	11/04/2026 20:12	चंद्र	05/07/2026 08:09	मंग	13/09/2026 22:36
सूर्य	11/03/2026 22:02	चंद्र	14/04/2026 15:40	मंग	10/07/2026 09:36	राहु	25/09/2026 12:12

शनि–चंद्र–शनि		शनि–चंद्र–बुध		शनि–चंद्र–केतु		शनि–चंद्र–शुक्र	
25/09/2026 12:12		**26/12/2026 01:47**		**18/03/2027 00:03**		**20/04/2027 17:41**	
26/12/2026 01:47		**18/03/2027 00:03**		**20/04/2027 17:41**		**26/07/2027 02:56**	
शनि	10/10/2026 00:09	बुध	06/01/2027 16:20	केतु	19/03/2027 23:16	शुक्र	06/05/2027 19:14
बुध	22/10/2026 23:28	केतु	11/01/2027 11:02	शुक्र	25/03/2027 14:13	सूर्य	11/05/2027 14:53
केतु	28/10/2026 07:40	शुक्र	25/01/2027 02:45	सूर्य	27/03/2027 06:42	चंद्र	19/05/2027 15:40
शुक्र	12/11/2026 13:56	सूर्य	29/01/2027 05:04	चंद्र	30/03/2027 02:10	मंग	25/05/2027 06:36
सूर्य	17/11/2026 03:49	चंद्र	05/02/2027 00:55	मंग	01/04/2027 01:24	राहु	08/06/2027 17:35
चंद्र	24/11/2026 18:56	मंग	09/02/2027 19:37	राहु	06/04/2027 02:50	गुरु	21/06/2027 14:01
मंग	30/11/2026 03:08	राहु	22/02/2027 02:33	गुरु	10/04/2027 14:48	शनि	06/07/2027 20:17
राहु	13/12/2026 20:46	गुरु	05/03/2027 00:43	शनि	15/04/2027 22:59	बुध	20/07/2027 12:00
गुरु	26/12/2026 01:47	शनि	18/03/2027 00:03	बुध	20/04/2027 17:41	केतु	26/07/2027 02:56

शनि–चंद्र–सूर्य		शनि–मंग–मंग		शनि–मंग–राहु		शनि–मंग–गुरु	
26/07/2027 02:56		**24/08/2027 00:55**		**16/09/2027 15:39**		**16/11/2027 09:00**	
24/08/2027 00:55		**16/09/2027 15:39**		**16/11/2027 09:00**		**09/01/2028 08:25**	
सूर्य	27/07/2027 13:38	मंग	25/08/2027 09:58	राहु	25/09/2027 18:15	गुरु	23/11/2027 13:43
चंद्र	29/07/2027 23:28	राहु	28/08/2027 22:59	गुरु	03/10/2027 20:34	शनि	02/12/2027 02:50
मंग	31/07/2027 15:57	गुरु	01/09/2027 02:33	शनि	13/10/2027 11:19	बुध	09/12/2027 18:21
राहु	05/08/2027 00:02	शनि	04/09/2027 20:17	बुध	22/10/2027 01:46	केतु	12/12/2027 21:55
गुरु	08/08/2027 20:34	बुध	08/09/2027 04:34	केतु	25/10/2027 14:47	शुक्र	21/12/2027 21:49
शनि	13/08/2027 10:27	केतु	09/09/2027 13:38	शुक्र	04/11/2027 17:41	सूर्य	24/12/2027 14:35
बुध	17/08/2027 12:46	शुक्र	13/09/2027 12:05	सूर्य	07/11/2027 18:33	चंद्र	29/12/2027 02:33
केतु	19/08/2027 05:15	सूर्य	14/09/2027 16:26	चंद्र	12/11/2027 19:59	मंग	01/01/2028 06:07
शुक्र	24/08/2027 00:55	चंद्र	16/09/2027 15:39	मंग	16/11/2027 09:00	राहु	09/01/2028 08:25

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

वर्ष योग

इक्कबाल

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1.4.7.10) और पणफर (2.5.8.11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3.6.9.12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6.8.12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

दुत्थकुत्थीर

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरूपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः–

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।
वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः–

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः–

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय राज्य या सरकार से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा कार्यक्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।इस समय आपके विगत रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे एवं मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी निश्चिन्त एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा अन्य लोग भी आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में उन्नति तथा लाभ के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा किसी नवीन व्यापार की भी आप योजना बनाएंगे इससे भविष्य में आपको वांछित लाभ की प्रप्ति होगी। मित्रों एवं संबधियों से इस समय आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगे । इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी आपको प्राप्त होगा। अतः समय की अनुकूलता को देखते हुए समय का सदुपयोग करें।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः–

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

प्रथम मास

01/01/2025 05:50:30 से 30/01/2025 17:04:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:02:49
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:37:19
चन्द्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:54:03
मंगल	व	कर्क	पुष्य	07:42:24
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:40:56
गुरु	व	वृष	रोहिणी	19:00:28
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	03:31:16
शनि		कुम्भ	पू0भाद्रपद	20:19:08
राहु	व	मीन	उ0भाद्रपद	07:17:25
केतु	व	कन्या	उ0फाल्गुनी	07:17:25
मुंथा		सिंह	पू0फाल्गुनी	16:49:08

मास–चक्र

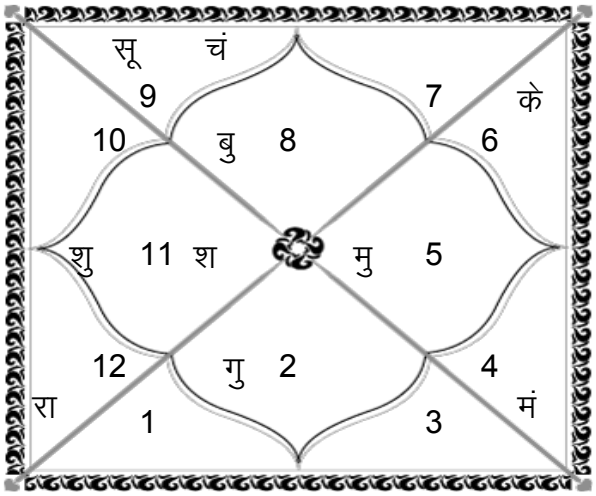

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णरूपेण प्रसन्न रहेंगे। अपने मित्रों एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ कार्य भी सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही कई प्रकार से धन लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्थान या नवीन आवास आदि की भी प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही सर्व प्रकार से शुभ फल होंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगे।इसके अतिरिस्त पिछले महीने की असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे।जिससे आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में न्यूनता हो सकती है।इस समय अग्नि के द्वारा भी किंचित धन हानि होने की सम्भावना रहेगी।अतः सावधानी पूर्वक समय को व्यतीत करें।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

द्वितीय मास

30/01/2025 17:04:46 से 01/03/2025 09:51:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	04:05:43
सूर्य		मकर	श्रवण	16:37:19
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	29:06:50
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:43:00
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:39:22
गुरु	व	वृष	रोहिणी	17:06:44
शुक्र		मीन	पू0भाद्रपद	02:00:52
शनि		कुम्भ	पू0भाद्रपद	23:03:06
राहु	व	मीन	उ0भाद्रपद	05:43:43
केतु	व	कन्या	उ0फाल्गुनी	05:43:43
मुंथा		सिंह	पू0फाल्गुनी	19:19:08

मास–चक्र

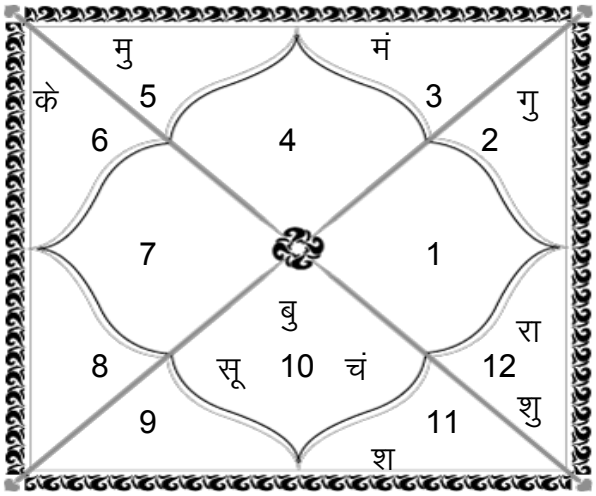

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे । साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी।इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा।इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे । धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

तृतीय मास

01/03/2025 09:51:38 से 31/03/2025 12:54:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	16:30:58
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:37:19
चन्द्र		मीन	पू0भाद्रपद	02:24:03
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:57:52
बुध		मीन	पू0भाद्रपद	02:22:23
गुरु		वृष	रोहिणी	18:04:46
शुक्र		मीन	उ0भाद्रपद	16:36:44
शनि		कुम्भ	पू0भाद्रपद	26:30:08
राहु	व	मीन	उ0भाद्रपद	04:09:17
केतु	व	कन्या	उ0फाल्गुनी	04:09:17
मुंथा		सिंह	पू0फाल्गुनी	21:49:08

मासाधिपति : शनि

मास–चक्र

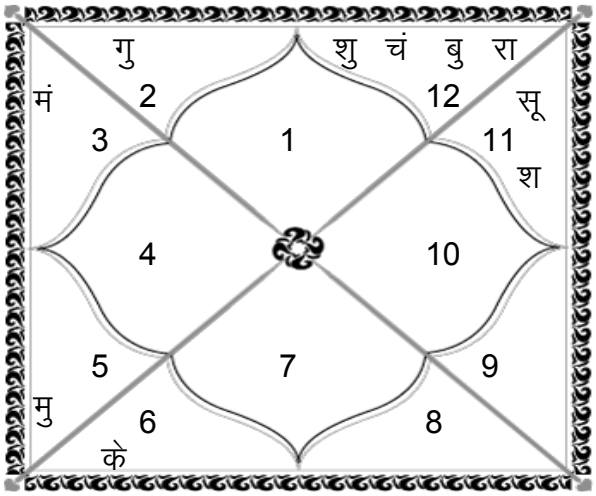

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे । देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

चतुर्थ मास

31/03/2025 12:54:09 से 30/04/2024 22:10:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुनर्वसु	00:55:24
सूर्य		मीन	उ0भाद्रपद	16:37:19
चन्द्र		मेष	अश्विनी	12:48:12
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	29:09:59
बुध	व	मीन	उ0भाद्रपद	04:57:36
गुरु		वृष	रोहिणी	21:39:41
शुक्र	व	मीन	उ0भाद्रपद	03:39:02
शनि		मीन	पू0भाद्रपद	00:11:48
राहु	व	मीन	पू0भाद्रपद	02:33:30
केतु	व	कन्या	उ0फाल्गुनी	02:33:30
मुंथा		सिंह	पू0फाल्गुनी	24:19:08

मास–चक्र

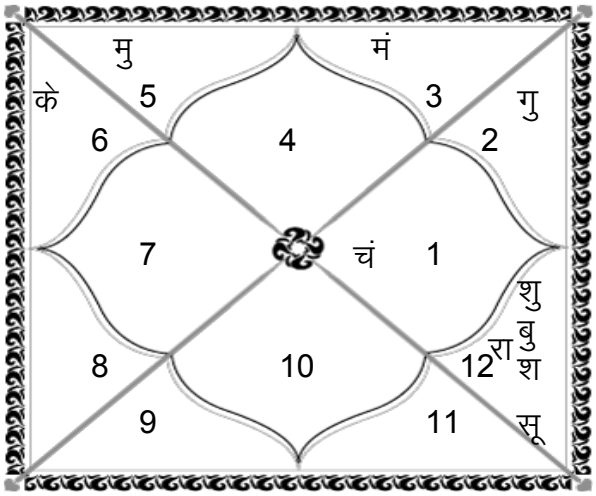

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

पंचम् मास

30/04/2024 22:10:45 से 01/06/2025 07:04:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:57:38
सूर्य		मेष	भरणी	16:37:19
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:34:46
मंगल		मीन	उ0भाद्रपद	05:50:28
बुध		मीन	रेवती	22:51:22
गुरु		मेष	कृतिका	29:51:21
शुक्र		मेष	अश्विनी	07:18:06
शनि		कुम्भ	पू0भाद्रपद	22:24:56
राहु	व	मीन	रेवती	20:17:25
केतु	व	कन्या	हस्त	20:17:25
मुंथा		सिंह	उ0फाल्गुनी	26:49:08

मासाधिपति : मंगल

मास–चक्र

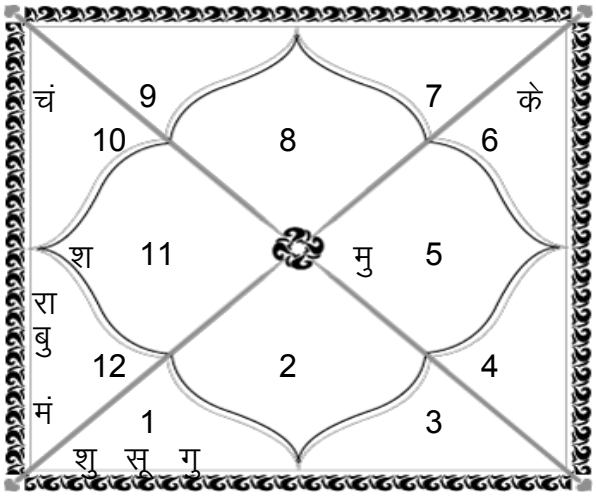

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा । धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

षष्ठ मास

01/06/2025 07:04:31 से 02/07/2025 16:45:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	07:34:32
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:37:19
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	22:08:40
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:52:51
बुध		वृष	रोहिणी	18:58:05
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	03:48:06
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:46:41
शनि		मीन	उ0भाद्रपद	06:16:40
राहु	व	कुम्भ	पू0भाद्रपद	29:17:09
केतु	व	सिंह	उ0फाल्गुनी	29:17:09
मुंथा		सिंह	उ0फाल्गुनी	29:19:08

मास–चक्र

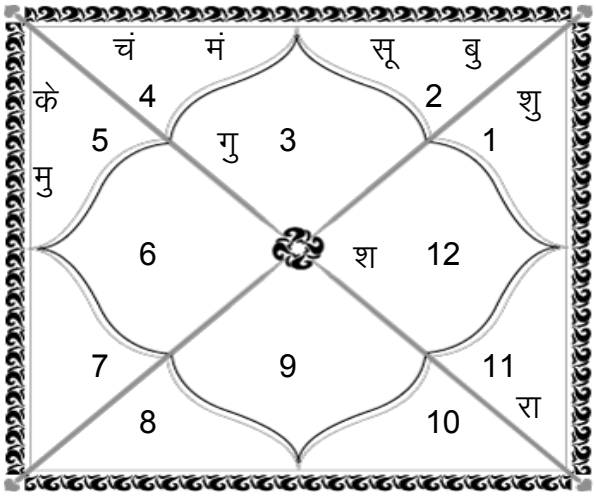

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे।इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा । उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी । जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

सप्तम् मास

02/07/2025 16:45:20 से 03/08/2025 03:01:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:41:54
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:37:19
चन्द्र		कन्या	हस्त	12:49:45
मंगल		सिंह	पू0फाल्गुनी	14:24:23
बुध		कर्क	पुष्य	12:28:39
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	10:56:12
शुक्र		वृष	कृतिका	03:23:36
शनि		मीन	उ0भाद्रपद	07:37:27
राहु		कुम्भ	पू0भाद्रपद	27:37:18
केतु	व	सिंह	उ0फाल्गुनी	27:37:18
मुंथा		कन्या	उ0फाल्गुनी	01:49:08

मास–चक्र

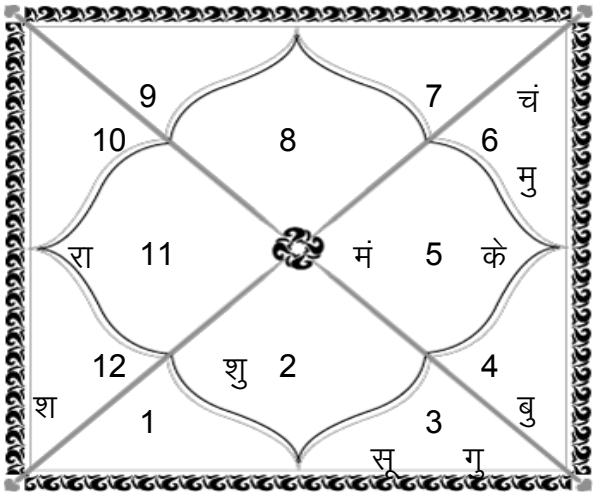

मासाधिपति : बुध

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अत : आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे । सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा।इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदाथों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा । समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

अष्टम् मास

03/08/2025 03:01:08 से 03/09/2025 07:18:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:33:28
सूर्य		कर्क	पुष्य	16:37:19
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	01:33:42
मंगल		कन्या	उ0फाल्गुनी	03:15:20
बुध	व	कर्क	पुष्य	13:24:56
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	17:54:06
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	08:56:57
शनि	व	मीन	उ0भाद्रपद	07:21:42
राहु	व	कुम्भ	पू0भाद्रपद	25:57:22
केतु	व	सिंह	पू0फाल्गुनी	25:57:22
मुंथा		कन्या	उ0फाल्गुनी	04:19:08

मास–चक्र

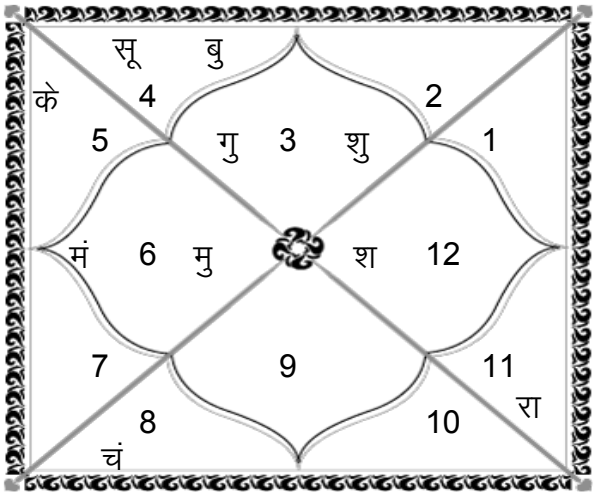

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी । इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

नवम् मास

03/09/2025 07:18:36 से 04/10/2025 00:51:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ0फाल्गुनी	01:42:39
सूर्य		सिंह	पू0फाल्गुनी	16:37:19
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:16:45
मंगल		कन्या	हस्त	23:02:47
बुध		सिंह	मघा	06:46:29
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:01:30
शुक्र		कर्क	पुष्य	15:50:12
शनि	व	मीन	उ0भाद्रपद	05:39:40
राहु	व	कुम्भ	पू0भाद्रपद	24:18:14
केतु	व	सिंह	पू0फाल्गुनी	24:18:14
मुंथा		कन्या	उ0फाल्गुनी	06:49:08

मासाधिपति : चन्द्र

मास–चक्र

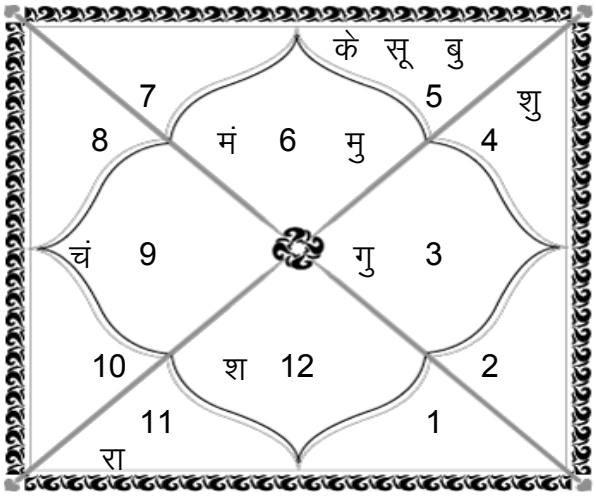

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

दशम् मास

04/10/2025 00:51:02 से 03/11/2025 05:55:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	03:31:55
सूर्य		कन्या	हस्त	16:37:19
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:55:23
मंगल		तुला	स्वाति	13:33:42
बुध		तुला	चित्रा	01:22:05
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:34:43
शुक्र		सिंह	पू0फाल्गुनी	23:18:38
शनि	व	मीन	पू0भाद्रपद	03:19:47
राहु		कुम्भ	पू0भाद्रपद	22:40:32
केतु	व	सिंह	पू0फाल्गुनी	22:40:32
मुंथा		कन्या	उ0फाल्गुनी	09:19:08

मास–चक्र

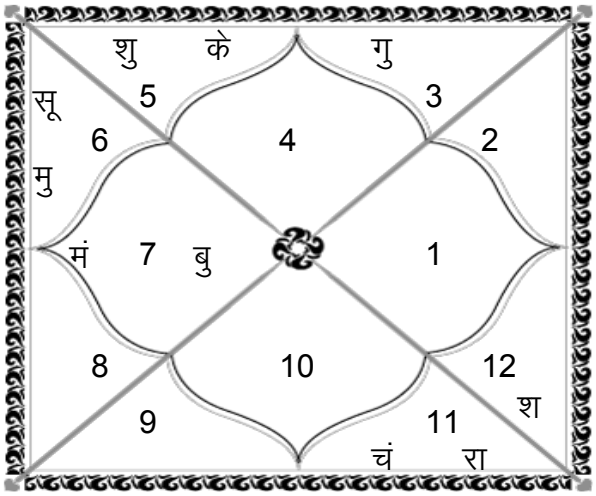

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे । जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

एकादश मास

03/11/2025 05:55:49 से 03/12/2025 00:10:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	06:39:17
सूर्य		तुला	स्वाति	16:37:19
चन्द्र		मीन	उ0भाद्रपद	11:04:34
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	04:41:26
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:50:51
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:48:35
शुक्र		तुला	चित्रा	00:52:07
शनि	व	मीन	पू0भाद्रपद	01:29:20
राहु	व	कुम्भ	पू0भाद्रपद	21:04:28
केतु	व	सिंह	पू0फाल्गुनी	21:04:28
मुंथा		कन्या	हस्त	11:49:08

मासाधिपति : गुरु

मास–चक्र

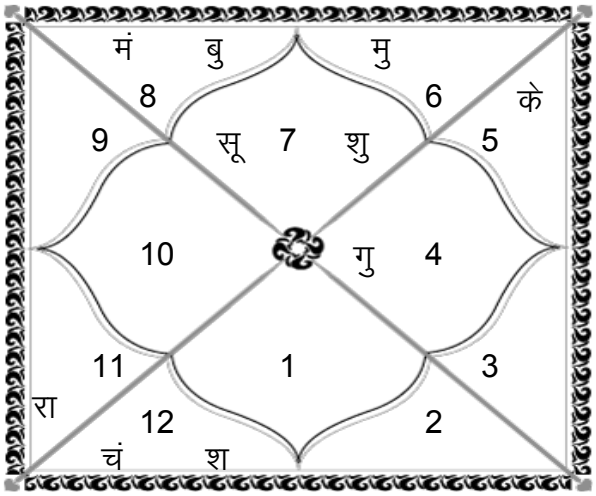

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे । इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com

द्वादश मास

03/12/2025 00:10:53 से 01/01/2026 11:58:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू0फाल्गुनी	16:06:32
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	16:37:19
चन्द्र		मेष	भरणी	15:24:54
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:23:42
बुध		तुला	विशाखा	27:15:15
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:11:50
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:12:50
शनि		मीन	पू0भाद्रपद	00:57:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:29:51
केतु	व	सिंह	पू0फाल्गुनी	19:29:51
मुंथा		कन्या	हस्त	14:19:08

मास–चक्र

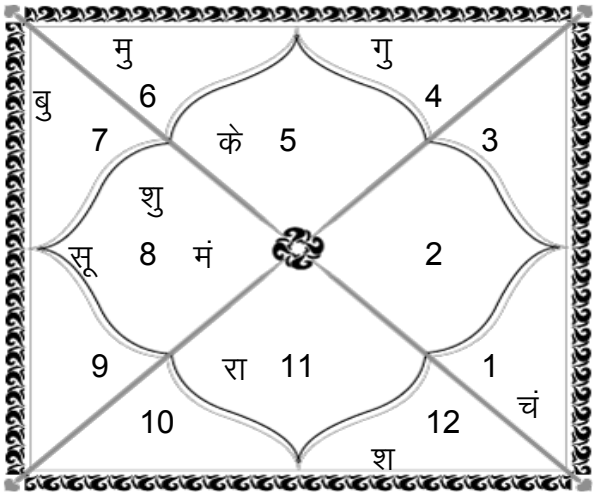

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा । साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।

JANMPATRIKA
72, JLN MARG, JAIPUR
0141-2566012 / 8619459518
www.janmpatrika.com astrojayant@gmail.com